बीए अर्थशास्त्र

Semester 01 (Paper 01)

साम्य/ संतुलन की अवधारणा एवं प्रकार

(Concept and Type of Equilibrium)

साम्य या संतुलन (Equilibrium)

लैटिन भाषा

Acquus → **समान**

Libra → **साम्य**

विश्राम की स्थिति

सामान्य रूप से साम्य का अर्थ **विश्राम की स्थिति** से है जहाँ किसी प्रकार का ***कोई परिवर्तन नहीं होता*** है ।

साम्य की स्थिति उस दशा को कहते है जब किसी वस्तु पर काम करने वाली विरोधी शक्तियां इस प्रकार एक दुसरे के साथ संतुलित हो जाती है की उस वस्तु में किसी प्रकार का परिवर्तन नहीं होता है

आर्थिक संतुलन की आवश्यक शर्त यह है कि आर्थिक संतुलन में गति होनी चाहिए, लेकिन इस गति के दर में किसी प्रकार का परिवर्तन नहीं होना चाहिए।

प्रो. जे के मेहता के शब्दों में, "अर्थशास्त्र में संतुलन गति परिवर्तन की अनुपस्थिति को बतलाता है, जबकि भौतिक विज्ञान में यह गति की ही उपस्थिति को बतलाता है"।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

अर्थशास्त्र के सभी विषयों एवं कक्षाओं के नोट्स, प्रश्नोत्तर, सैंपल पेपर, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, विगत वर्षों के प्रश्नपत्र, अभ्यास प्रश्नपत्र (हिंदी या अंग्रेजी माध्यम) के PDF आपको www.theeconomicsguru.com पर मिल जायेंगे।

इसके साथ ही सभी हिंदी माध्यम तथा अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के लिए Free **LIVE CLASS** भी उपलब्ध है, हमारे **YOUTUBE CHANNEL "THE ECONOMICS GURU"** पर । अभी **subscribe** कर लीजिये और ज्यादा से ज्यादा **शेयर** कर दीजिये अपने दोस्तों के बीच।

किसी भी प्रकार की समस्या के लिए आप हमसे सम्पर्क कर सकते है, YOUTUBE के कमेंट बॉक्स में कमेन्ट करें या वेबसाइट के Email वाले Option में जाकर **Email** करे या WhatsApp कर सकते है (Website में लिंक दिया गया है।

धन्यवाद

नकुल ढाली

The Economics Guru

लाभार्थी बोर्ड:

CBSE, UK Board, UP Board, Bihar Board, MP Board, CG Board, Rajasthan Board, Haryana Board

साथ ही **BA; B.COM; MA** के सभी SEMESTER लिए भी अध्ययन सामग्री उपलब्ध है।

THE ECONOMICS GURU

अभी VISIT करें www.theeconomicsguru.com

EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

Subscribe my **YOUTUBE** channel **THE ECONOMICS GURU**

Follow me:

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

Facebook- *Nakul Dhali*

Instagram- *@theeconomicsguru*

साम्य/ संतुलन के प्रकार

- स्थायी, अस्थायी तथा तटस्थ संतुलन
- अल्पकालीन तथा दीर्घकालीन संतुलन
- विशिष्ट तथा सामान्य संतुलन
- एकाकी तथा अनेक तत्वीय संतुलन
- स्थैतिक तथा प्रवैगिक संतुलन

स्थायी आस्था तथा तटस्थ संतुलन

स्थायी संतुलन (Stable Equilibrium):

स्थायी संतुलन आर्थिक प्रणाली को कुछ स्थितियों में सूचित करता है। जिसमें संतुलन के किसी कारणवश भंग होने पर कुछ ऐसी शक्तियां कार्यशील हो जाती है जो इसे पुनः प्रारंभिक स्थिति में कर देती है। इस प्रकार स्थायी साम्य में आरंभिक अवस्था भंग तो होती है, किंतु स्वत: ही आरंभिक अवस्था पूर्ण स्थापित हो जाती है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

अस्थायी संतुलन (Unstable Equilibrium)

अस्थाई संतुलन उस स्थिति को व्यक्त करता है जिसमें कोई विघ्न, जो संतुलन को भंग करता है कतिपय ऐसी अस्थिर शक्तियों को जन्म देती है कि आर्थिक प्रणाली संतुलन की प्रारंभिक स्थिति में निरंतर दूर हट जाती है और पुन: कभी अपने पूर्ण अवस्था को प्राप्त नहीं कर पाती।

तटस्थ संतुलन (Neutral Equilibrium):

तटस्थ संतुलन आर्थिक प्रणाली की उनकी दशा को कहते हैं जिसमें संतुलन एक बार भंग हो जाने पर अपने पुनः स्थिति पर लौटता नहीं बल्कि उस स्तर रुककर स्थायी हो जाता है जिसपर भंग होने के पश्चात वह पहुँच जाता है।

अल्पकालीन तथा दीर्घकालीन संतुलन (Short term and Long Term Equilibrium)

अल्पकालीन तथा दीर्घकालीन संतुलन के जन्मदाता **मार्शल** है क्योंकि उन्होंने ही सर्वप्रथम संतुलन निर्धारण में समय तत्व के प्रभाव का अध्ययन किया है।

अल्पकालीन संतुलन वह है जिस पर मांग में परिवर्तन होने पर आपूर्ति में परिवर्तन केवल वर्तमान साधनों की सहायता से ही किया जा सकता है। क्योंकि अल्पकाल में इतना समय नहीं होता कि उत्पत्ति के नए साधनों का प्रयोग में लाया जा सके।

इसके विपरीत, **दीर्घकालीन संतुलन** वह स्थिति है, जिसमें मांग में परिवर्तन होने से परिणामस्वरुप पूर्ति में भी परिवर्तन हो जाता है क्योंकि दीर्घकाल में उत्पत्ति के साधनों को परिवर्तित किया जा सकता है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

विशिष्ट तथा सामान्य संतुलन (Particular & General Equilibrium)

प्रो. सैम्युलसन के शब्दों में, "विशिष्ट संतुलन की धारणा तो केवल एक ही पर लागू होता है, जबकि सामान्य संतुलन में हज़ारों चर सम्मिलित होते हैं"।

विशिष्ट संतुलन (Particular Equilibrium) आंशिक या विशिष्ट संतुलन से आशाय उस संतुलन से है जो एक व्यक्ति, एक फर्म, एक उद्योग अथवा के एक समूह से संबंधित होता।

संक्षेप में, जब अर्थव्यवस्था की कोई इकाई अथवा एक फर्म अथवा एक उद्योग में संतुलन होता है तो उसे आंशिक संतुलन कहते हैं।

विशिष्ट संतुलन के उपयोग

विशेष संतुलन का अध्ययन दो समस्याओं के समाधान के लिए उपयोगी सिद्ध होता है-

- यह उन विशेष समस्याओं के अध्ययन के लिए एक उपयुक्त तंत्र है जो किसी आर्थिक हलचलों से उत्पन्न होती है और एक विशेष उद्योग या अर्थव्यवस्था के एक विशेष क्षेत्र की सीमाओं से काफी दूर नहीं जा पाती।
- दूसरी श्रेणी की समस्याएँ किसी भी किस्म की आर्थिक हलचल के प्रथम क्रम वाले प्रभावों से संबंधित होती है।

सामान्य संतुलन (General Equilibrium)

सामान्य संतुलन के अंतर्गत किसी एक इकाई, फर्म तथा उद्योग विशेष का अध्ययन नहीं किया जाता है बल्कि यह सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था के बारे में अध्ययन करता है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

स्टिगलर के शब्दों में, "सामान्य संतुलन का सिद्धांत अर्थव्यवस्था के सभी भागों में पारस्परिक संबंधों का अध्ययन करता है"।

एकाकी तथा अनेक साम्य (Single and Multiple Equilibrium)

जब उत्पादन की मात्रा तथा कीमत का केवल एक ही समूह संतुलन की दशा को संतुष्ट करता है, उसे ***एकाकी संतुलन*** कहते हैं। **बोर्डिंग** के अनुसार, "यदि संबंधों की प्रणाली को किसी ऐसे समीकरणों की सूची द्वारा व्यक्त किया जा सकता है जो कि विभिन्न चरों के केवल एक ही कीमत अथवा थोड़ी सी कीमतों द्वारा संतुष्ट कर सकते हैं तो उसे एकाकी संतुलन कहते हैं"।

इसके विपरीत, जब संतुलन की शर्तों की संतुष्टि कई बिंदुओं पर विभिन्न कीमतों तथा उत्पादन की मात्रा द्वारा स्पष्ट होती है, तो उसे ***अनेक तत्वीय संतुलन*** की स्थिति कहते हैं।

अनेक तत्वीय साम्य उस समय पाया जाता है जबकि मांग रेखा का ढाल बदलता रहता है अर्थात मांग रेखा कुछ दूरी तक बेरोजगार होती है तथा कुछ दूरी तक लोचदार हो जाती।

स्थैतिक तथा प्रवैगिक साम्य (Static and Dynamic Equilibrium)

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

स्थैतिक संतुलन का संबंध स्थिर अर्थव्यवस्था से है। स्थिर अर्थव्यवस्था से आशय ऐसी अर्थव्यवस्था से है जिससे कि विभिन्न अंगों जैसे उत्पादन, उपभोग, जनसंख्या, मांग पूर्ति आदि पर परिवर्तन की कोई प्रवृत्ति नहीं होती है, वे स्थिर रहते हैं। उत्पादन एवं उपभोग की दरें भी स्थिर रहती है और एक दूसरे के बराबर होती है।

प्रवैगिक साम्य का संबंध गतिशील अर्थव्यवस्था से है। अर्थात ऐसी अर्थव्यवस्था जिससे विभिन्न अंगों या विभिन्न आर्थिक तत्वों में परिवर्तन होता रहता है।

परन्तु उन विभिन्न अंगों के आर्थिक तत्वों में परिवर्तन की दर समान रहती है।

जब किसी अर्थव्यवस्था के विभिन्न तत्वों में सामान्य दर से परिवर्तन होता है तो उसे प्रवैगिक साम्य कहते हैं।

संतुलन का आर्थिक विश्लेषण में महत्त्व

अर्थशास्त्र में संतुलन की धारणा का महत्वपूर्ण स्थान है। वास्तव में, आर्थिक सिद्धांतों में इसकी भूमिका इतनी महत्वपूर्ण है कि कुछ अर्थशास्त्रियों ने अर्थविज्ञान को संतुलन विश्लेषण कहकर संबोधित किया है।

संतुलन के महत्त्व के बारे में निम्नलिखित बातें कही जा सकती है-

उपभोक्ताओं के लिए संतुलन का महत्त्व- उपभोक्ताओं के लिए संतुलन के विचार अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है क्योंकि वे वैकल्पिक प्रयोग वाले सीमित साधनों को इस प्रकार से उपयोग करने की चेष्टा करते है कि उनको अधिक से अधिक संतुष्टि प्राप्त हो परंतु ऐसा उसी समय संभव हो सकता है जबकि उनकी आवश्यकताओं तथा वैकल्पिक उपयोग वाले साधनों के बीच सामने। स्थापित हो जाए।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

वस्तुओं की कीमत निर्धारण का महत्त्व-

पूर्ण प्रति उपयोगिता आप पूर्ण एकाधिकार आदि विभिन्न दशाओं में वस्तुओं की कीमत-निर्धारण संतुलन विश्लेषण के अनुसार कुछ बिंदु पर होती है जहाँ पर उस वस्तु की मांग और पूर्ति संतुलन स्थापित करते हैं।

आर्थिक समस्याओं के समाधान में महत्त्व

संतुलन का विचार आर्थिक समस्याओं के समाधान में सहायक सिद्ध होता है, क्योंकि किसी अर्थव्यवस्था में असंतुलन की दशा विद्यमान होने पर भी आर्थिक समस्याओं का प्रादुर्भाव होता है। अतः इन समस्याओं का समाधान तभी संभव होता है जबकि असंतुलन की स्थिति को समाप्त करके विभिन्न आर्थिक क्रियाओं के बीच साम्य स्थापित किया जा सके।

भविष्य के निर्माण में सहायक-

संतुलन का विचार भविष्य के निर्णय में सहायक होता है। किसी वस्तु के उत्पादन में वृद्धि की जाए या नहीं, किसी वस्तु के मूल्य में वृद्धि की जाए या नहीं आदि बातों को हम संतुलन के समक्ष रखकर ही धारित कर सकते हैं।

अन्य महत्त्व - उपभोग के अतिरिक्त उत्पादन, वितरण आदि के सिद्धांतों के प्रतिपादन में भी संतुलन के विचार का महत्त्व है, क्योंकि के आधार पर ही हम इस बात को निश्चित करते हैं कि किस वस्तु का किस प्रकार उत्पादन किया जाएगा, लागत न्यूनतम हो तथा उत्पत्ति के विभिन्न साधनों में राष्ट्रीय लाभांश का किस प्रकार वितरित किया जाए।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

अर्थशास्त्र के सभी विषयों एवं कक्षाओं के नोट्स, प्रश्नोत्तर, सैंपल पेपर, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, विगत वर्षों के प्रश्नपत्र, अभ्यास प्रश्नपत्र (हिंदी या अंग्रेजी माध्यम) के PDF आपको www.theeconomicsguru.com पर मिल जायेंगे।

इसके साथ ही सभी हिंदी माध्यम तथा अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के लिए Free **LIVE CLASS** भी उपलब्ध है, हमारे **YOUTUBE CHANNEL "THE ECONOMICS GURU"** पर । अभी **subscribe** कर लीजिये और ज्यदा से ज्यादा **शेयर** कर दीजिये अपने दोस्तों के बीच।

किसी भी प्रकार की समस्या के लिए आप हमसे सम्पर्क कर सकते है, YOUTUBE के कमेंट बॉक्स में कमेन्ट करें या वेबसाइट के Email वाले Option में जाकर **Email** करे या WhatsApp कर सकते है (Website में लिंक दिया गया है।

धन्यवाद

नकुल ढाली

The Economics Guru

लाभार्थी बोर्ड:

CBSE, UK Board, UP Board, Bihar Board, MP Board, CG Board, Rajasthan Board, Haryana Board

साथ ही **BA; B.COM; MA** के सभी SEMESTER लिए भी अध्ययन सामग्री उपलब्ध है।

अभी VISIT करें www.theeconomicsguru.com

Subscribe my **YOUTUBE** channel **THE ECONOMICS GURU**

Follow me:

Facebook- *Nakul Dhali*

Instagram- *@theeconomicsguru*

THE ECONOMICS GURU

EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE